RAJYA SABHA

, the 2nd *December,* 2005/11 *Agrahayana,* 1927 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

AND FOR ACTION AGAINST MR. NATWAR SINGH OVER LLEGATIONS ON IRAQ'S OIL-FOR-FOOD PROGRAMME

ा॰ अहलुबालिया (झारखंड): सभापति जी, आज सुबह अनिल मथरानी जोकि म्बैसेडर हैं, उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे सामने रखे हैं। महोदय, अभी चार दिन पहले

...

NJU PARMAR (Gujarat): Sir, let there be Question Hour first.

ा : क्वैश्चन आवर के बाद रखिए। ...(व्यवधान)...

मा स्वराज (उत्तरांचल): सभापति जी, चार दिन पहले मेरे अपने सहयोगी श्री अरुण ाल्कर रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए कुछ तथ्य रखे थे, तब बार-बार सरकार ने यह कहा ीडेंस नहीं है। यहां चिदम्बरम जी ने खड़े होकर कहा था कि अगर कोई एवीडेंस मिल वधान)...

ा : कोई मेरी इजाजत से नहीं बोल रहा है।

मा स्वराज : एफ॰आई॰आर॰ भी लॉज करेंगे और लॉजीकल कंक्लूजन तक ले वधान)... आज तो सारे एवीड़ेस चश्मदीद गवाह के माध्यम से आ गए हैं और पूरे देख लिया है। ...(व्यवधान)...

कैया नायडु (कर्णाटक) : वह तो सरकार का प्रतिनिधि है, एम्बैसेडर है। ... यह एक सीरियस इश्यू है। ...(व्यवधान)...

मा स्वराज : चिदम्बरम जी जिस एवीडेंस की बात कर रहे थे, वह टी॰वी॰ पर आ गया है।

ते : माननीय सदस्य, क्वैश्चन आवर के बाद इस विषय पर चर्चा कर लें।

..

मा स्वराज : सर, यह सरकार * के आरोपों से डूबी हुई है। ...(व्यवधान)...

---

ordered by the Chair.

डा॰ मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश) : सर, एफ॰आई॰आर॰ लॉज होनी चाहिए, इस्तीफा होना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : आज ही अरेस्ट होना चाहिए ...(व्यवधान)... कार्यवाही होनी चाहिए। ...(व्यवधान)...

SHRI YASHWANT SINHA (Jharkhand) : Sir, the Government has misled the House when they were replying to the debate on Volcker Report...*(Interruptions)*...They have misled the House...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, यहां खुद चिदम्बरम जी ने कहा था कि एवीडेंस आ गया तो एफ॰आई॰आर॰ लॉज करेंगे, अरेस्ट भी करेंगे। अब सब कुछ आ गया है।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी : इस सदन को गुमराह किया जा रहा है ...(व्यवधान)... *संरक्षण दिया जा रहा है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : एक राजदूत खुलासा कर रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : माननीय सदस्या, अगर आप में से कोई एक सदस्य बोले तो मेरी समझ में बात आ जाय। अभी आप क्या बोल रहे हैं, मेरी समझ में नहीं आ रहा है।

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति महोदय, मैं यह कह रही थी कि चार दिन पहले वोल्कर रिपोर्ट पर भाग लेते हुए मेरे सहयोगी श्री अरुण जेटली जी ने जो तथ्य रखे थे, उन तथ्यों की आज पुष्टि हो गयी है। उन तथ्यों का जवाब देते हुए यहां चिदम्बरम जी ने यह बात कही थी कि हम तो लॉजिकल कंक्लूजन तक बिल्कुल ले जाएंगे। मैं एश्योरेंस देता हूं कि मैं लॉजिकल कंक्लूजन तक ले जाऊंगा, हम एफ॰आई॰आर॰ भी दर्ज करेंगे बशर्ते कोई एवीडेंस आ जाय। हम यह कह रहे हैं कि आज वह एवीडेंस किसी ऐरे-गैरे के थ्रु नहीं बल्कि चश्मदीद गवाह के माध्यम से आ गया है और वह एवीडेंस सारे लोगों ने टेलीविजन पर देख लिया है। इसलिए मेरा आप से यह अनुरोध है कि आप सरकार से कहिए कि वह तुरंत एफ॰आई॰आर॰ दर्ज करे और नटवर सिंह जी की गिरफ्तारी आज ही होनी चाहिए।...(व्यवधान)... महोदय, नेता विपक्ष भी आ गए हैं, नेता विपक्ष अपनी बात रखेंगे। उन्हें बोलने का मौका दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री रूद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : सर, आज ही गिरफ्तारी होनी चाहिए।

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, नेता विपक्ष आ गए हैं, उन्हें अपनी बात रखने का मौका दीजिए। सर आपने कहा कि कोई एक बोले, नेता विपक्ष आ गए हैं, वह पूरी बात रखेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री राजू परमार: बंगारू लक्ष्मण को टी॰वी॰ पर पैसा लेते हुए दिखाया गया था, क्या आपने एफ॰आई॰आर॰ दर्ज की थी? ...(व्यवधान)... पूरे देश ने देखा था, आप ने एफ॰आई॰आर॰ लॉज की थी? ...(व्यवधान)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री राजू परमार: सर, अभी सुषमा जी ने कहा कि एफ०आई०आर० लॉज होनी चाहिए। मैं उन से पूछना चाहता हूं कि बंगारू लक्ष्मण को पूरे देश ने टी०वी० पर देखा था, क्या तब एफ०आई०आर० लॉज की थी? ...(**व्यवधान**)...

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir, when Mr. Bangaru Laxman was shown on TV accepting a bribe, no FIR was filed against him ...*(Interruptions)*...

श्री राजू परमार: क्या आपने एफ०आई०आर० दर्ज किया था, बताइए? ...(**व्यवधान**)...

विपक्ष के नेता (श्री जसवन्त सिंह): चेयरमैन साहब, मुझे एक अर्ज करनी है। वैसे यह एक अहम मसला है और अहम मसले को और ज्यादा उग्र करने की आवश्यकता नहीं है। इसमें साफ दिख रहा है। अभी हाल ही में पिछले दिनों दोनों सदनों में इसी वोल्कर रिपोर्ट पर जो बातचीत हुई है, उस पर दोनों सदनों में अपनी बात कहने का सब को मौका मिला है। सरकार की तरफ से कुछ बातें रखी गई हैं। जो नया तथ्य सामने है, वह तथ्य है या नहीं है। हम अपनी बात कह दें। सरकार से हम चाहेंगे कि वह अपनी बात कहे। * करने से तो कोई किसी की बात नहीं सुन सकता। सरकार ही अगर* करेगी, तो हम किसकी बात सुनेंगे? ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया (राजस्थान): महोदय, यह अनपार्लियामेंटरी वर्ड है। ...(**व्यवधान**)...

श्री जसवन्त सिंह: माननीय चेयरमैन साहब, सत्ता पक्ष के 5-7 माननीय सदस्यों ने खड़े होकर बहुत धीमी आवाज में एक साथ अपनी बात रखने की कोशिश की। ...(**व्यवधान**)... वे बिल्कुल * नहीं करते हैं। ...(**व्यवधान**)... कभी-भी नहीं करते हैं।...(**व्यवधान**)...

प्रो० अलका क्षत्रिय (गुजरात): पाणि जी तो जैसे कुछ बोलते ही नहीं हैं। हमेशा चुप रहते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री जसवन्त सिंह: चेयरमैन साहब, आपसे मेरी गुजारिश यह है कि यह सारा मसला एक माननीय मंत्री को लेकर है। पहले वे विदेश मंत्री थे, वहां से उनको हटाया गया है और अभी वे बिना किसी कार्यालय के मंत्री हैं। उनके नाम को लेकर, रूलिंग दल को लेकर और अन्य बातों को लेकर कई बातें आई हैं। मेरा एक निवेदन यह होगा कि जब से यह दुखद मसला खड़ा हुआ है कि यह बात व्यक्ति से कहीं परे हो गई। इसमें हमारे देश का नाम भी कहीं जुड़ा है। विदेश मंत्री पर इस प्रकार के आरोप लग गये। चेयरमैन साहब, विदेश मंत्री कोई भी सरकार का हो, वह केवल विदेश मंत्री ही नहीं होता, वह भारत का प्रतिनिधित्व भी करता है। जब वह भारत का प्रतिनिधि नहीं भी रहता है, तो उसके नाम से जब तक ऐसी बातें जुड़ी रहेंगी और आज जो बातें कही गई हैं, वे सही हैं या गलत हैं, कौन जाने? यह तो सरकार ही बता सकती है। वह जो साहेबान हैं, वे पहले इसी रूलिंग पार्टी के सदस्य थे। जब वह काम मेरे जिम्मे दिया गया था, तो कई बार ऐसे वाकये आए कि वही साहेबान

*Expunged as ordered by the Chair.

हमसे भी मिलने आए थे। उन्होंने मुझसे कई बातों का जिक्र किया था। उनको यह चाहिए था, वह चाहिए था। मेरा अर्ज यह है साहब कि इसमें प्रधान मंत्री जी ने आजकल एक विचित्र-सा रवैया अपना रखा है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप कौन-सी नई बात कह रहे हैं? ...(व्यवधान)...

श्री संतोष बागड़ोदिया: *हम लोग करते हैं और ये लोग सब अच्छा काम करते हैं? ...(व्यवधान)... इन्होंने मस्जिद तुड़वाई, इसमें कोई पाप नहीं है! ...(व्यवधान)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: सर, यह क्या है? विपक्ष के नेता खड़े हो गए और क्या ये ऐसे बोलेंगे? ...(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणि: महोदय, बागड़ोदिया जी बेबुनियाद बात बोल रहे हैं ...(व्यवधान)...

SHRI SHARAD ANANTRAO JOSHI (Maharashtra): I said, this is your Saddam gate. कभी-न-कभी तो पकड़े ही जाओगे। ...(व्यवधान)...

SHRI JASWANT SINGH: Sir, I have to make a submission ...*(Interruptions)*... Sir, I wish to submit with all seriousness that a certificate is being granted to the hon. Minister by the hon. Prime Minister at the very first stage. Thereafter, again, he grants him a certificate of total innocence. He goes on a campainging trail saying that he is totally innocent. Till now, the hon. Prime Minister has not uttered a single word and has not participated in these debates. I do say, and say this with great respect that I have sat in that Chair, where the Prime Minister is now sitting as the Leader of the House, for six continuous years. Never did I make it feel that I was above explanation in the House. Whenever the House sought from me or from the then Prime Minister any explanation, we made it a point that we always tried to consult the House with conviction. I submit it to you, Sir, that if the hon. the Prime Minister has not found it fit to share with us, what made him change this policy on 18th July suddenly, overnight, without the Cabinet Committee on Security or any member of his Cabinet knowing the question of established Iraq policy? What made him to give the certificates to the hon. Minister? Why has he kept quiet up till now on an issue which is a substantial issue? He is keeping the charge of the Ministry of External Affairs. Why is it that the hon. Pranab Babu is fielded every time by the Government to answer every debate? ...*(interruptions)*... Why is the hon. the Prime Minister...*(interruptions)*...

SHRI SANTOSH BAGRODIA: You can't question that. ...*(Interruptions)*... how can you question that? ...*(Interruptions)*... You can't decide who is to speak from the Government. ...*(Interruptions)*...

SHRI JASWANT SINGH: Sir, the House cannot be taken for granted like this. ...*(Interruptions)*... He is the Leader of the House. He has an obligation. He has to explain ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : अभी आप क्या चाहते हैं?

SHRI JASWANT SINGH: We want from the Prime Minister ...*(Interruptions)*... यह चाहते हैं। अगर ऐसा उन्होंने अपने मंत्रियों को, अपने एक विदेश मंत्री को पहले सर्टिफिकेट दिया है, तो आज जो नए तथ्य सामने आए हैं , उनकी सफाई देने के लिए हमारा उनसे निवेदन होगा, सादर निवेदन होगा। एक सदस्य, जो हमारे सदन के नेता हैं, प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पहले सर्टिफिकेट दिया था, वे आकर के सफाई दें कि क्या है या क्या नहीं है ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप एक काम करिए। आपने कह दिया है, ...(व्यवधान)... एक मिनट, प्लीज।

कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): प्रधानमंत्री जी ने कोई सर्टिफिकेट नहीं दिया है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: कोई सर्टिफिकेट दें या न दें, लेकिन आपने कह दिया है। अब क्वैश्चन आवर चले। ...(व्यवधान)... बार बार क्यों खड़े हो जाते हो। ...(व्यवधान)... मैं इस विवाद में नहीं पड़ना चाहता हूँ। माननीय सदस्य से मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि आपने जो कहना था, वह कह दिया है। अब क्वैश्चन आवर चले, उसके बाद क्या परिस्थिति है, सरकार अपना जवाब दे देगी। ...(व्यवधान)... कोई टाइम तो दीजिए कि प्रधानमंत्री जी को बुलाएं या न बुलाएं। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: इस सरकार से हम क्या सवाल पूछें? सर, जब इस तरह के मसले होते हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: क्वैश्चन आवर तक गवर्नमेंट भी तैयार हो जाएगी कुछ कहने को। ...(व्यवधान)... 45 मिनट में कुछ नहीं होगा। इतनी देर तक तो आप इंतजार करते ही रहे हैं। ...(व्यवधान)... क्वैश्चन्स। श्रीमती प्रेमा करियप्पा। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, जब इस तरह का मसला आता है, तो पहले समाधान होता है। पहले इसका समाधान होगा, जो विपक्ष ने सवाल उठाया है। इसके बाद प्रश्नों का होगा, वरना हम इस सरकार से सवाल नहीं पूछेंगे। यह इतना गंभीर मसला हो गया है ...(व्यवधान)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: देश के सामने यह एक बड़ा सवाल है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: पहले इस सवाल का समाधान होगा, फिर कोई सवाल हम सरकार से पूछेंगे। पूरा का पूरा देश उद्वेलित है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: नहीं, सवाल पूछने का सवाल नहीं है। ...(**व्यवधान**)... सवाल पूछने का सवाल नहीं है। अभी हाऊस को आपने सूचना दी मुझे सूचना दी, उसके बाद पूरे हाऊस को सूचना मिली। आप उन्हीं चीजों का जवाब चाहते हैं, न? ...(**व्यवधान**)... जवाब चाहते हैं, तो क्वैश्चन आवर में पहले क्वैश्चन करने दीजिए।

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर हम जवाब अभी चाहते हैं। जवाब से पहले कुछ नहीं चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... सर, पहले हम इसका जवाब चाहते हैं और जवाब से पहले कुछ नहीं चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... सबसे पहले यह जवाब चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री आनन्द शर्मा (हिमाचल प्रदेश): सर, सदन इस तरह नहीं, नियमों से चलेगा। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, यह एक बहुत गंभीर बात चल रही है, पूरा देश उद्वेलित है, लोग देख रहे हैं टेलीविजन पर। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: देखिए, मैंने आपको मामला उठाने का अवसर दे दिया है। इसके बाद गवर्नमेंट को भी मौका मिलना चाहिए। आपने जो कहा है। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट सुनिए तो सही। ...(**व्यवधान**)... आप एक बार बैठ जाइए। दिक्कत क्या है इसमें, 12 बजे के बाद मैं आप जवाब ले लीजिए? कोई मुहूर्त निकला हुआ है कि इसी समय जवाब आना चाहिए? आप पहले क्वैश्चन भी कर लीजिए और क्वैश्चन आवर के बाद तक गवर्नमेंट भी तैयार हो जाएगी, जो कुछ उसे कहना होगा, कहेगी।

श्रीमती सुषमा स्वराज: नहीं, सर। पहले जवाब होगा, फिर कोई काम होगा। पहले जवाब, फिर कोई काम। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: प्रधानमंत्री को बुलवाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: पहले जवाब, फिर कोई काम। ...(**व्यवधान**)... आप जवाब दिलवा दीजिए। ...(**व्यवधान**)... सर, पहले जवाब दिलवा दीजिए, फिर कोई काम होगा। ...(**व्यवधान**)... पहले जवाब फिर कोई काम। ...(**व्यवधान**)...

श्री एम॰ वेंकैया नायडु: ऐडजर्न कर दीजिए, सर। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: क्वेश्चन ऑवर होने दो। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, पहले जवाब, फिर कोई काम। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: सर, जब भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सारे देश ने टी॰वी॰ पर देखा था, तब यह भारतीय जनता पार्टी कहां थी? ...(**व्यवधान**)... जब जार्ज फर्नान्डीज को ...(**व्यवधान**)... तब यह भारतीय जनता पार्टी कहां थी? ...(**व्यवधान**)... जब दिलीप सिंह जूदेव को सारे देश ने टी॰वी॰ पर देखा था, तब यह भारतीय जनता पार्टी कहां थी? ...(**व्यवधान**)...

श्री एम॰ वेंकैया नायडु: सर, ऐसे हाऊस चलाना अच्छा रहेगा क्या? ...(**व्यवधान**)... सर, हाऊस ऐडजर्न कर दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, पी॰एम॰ को बुलवाइए और जवाब दिलवाइए। ...(**व्यवधान**)... सर, हम इतनी ही मांग कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री जी को बुलवाइए और जवाब दिलवाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: सदन की कार्यवाही 12:00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at twenty minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at twelve past one of the Clock.

MR. CHAIRMAN in the Chair.

WRITTEN ANSWER TO STARRED QUESTIONS

Condition of railway yards and washing lines

†*141. SHRIMATI PREMA CARIAPPA:
SHRI MOTILAL VORA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that the condition of the railway yards and washing lines located in Delhi has so much deteriorated that any serious mishap may occur there at any time;

(b) whether it is also a fact that the employees working there have been demanding for repairs for the last five years;

(c) if so, the action taken, so far, by Government for improvement in the condition; and

(d) by when, reconstruction work of the building of the railway yards and washing lines would be completed?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI LALU PRASAD): (a) No, Sir. The Yards and Washing lines in Delhi area are in safe and satisfactory condition.

(b) and (c) There is no major complaint from the employees working there.

(d) Repair and maintenance is a continuous process, renewals are also carried out as and when they become due for renewal on age-cum-condition basis (both related to track as well as other structures) and subject to

†Original notice of the question was received in Hindi.

availability of funds. About 60 Km Track renewal works have been done in the yards and six number washing lines have been constructed in Delhi area, during the last five years.

Approval of dangerous projects and industries

†*142. SHRIMATI KUM KUMRAI: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that during the last two years Government have given clearance to such type of projects and industries which are very dangerous from environmental point of view; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI A. RAJA): (a) and (b) No, Sir. The Central Government has enacted the Environment (Protection) Act (EPA), 1986 and framed Rules thereunder for the protection and the improvement of environment and prevention of hazards to human beings, other living creatures, plants and property. Ministry grants environmental clearance to 32 categories of development projects and industries covered under the Environmental Impact Assessment Notification, 1994 issued under the EPA, 1986 after assessing the Environmental Impact Assessment and Risk Analysis Reports and subject to compliance to stringent environmental and risk mitigation measures.

Clinical trials by multinational companies

*143. SHRIMATI BRINDA KARAT: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) what is Government's policy regarding clinical trials being conducted by multinational companies in the country;

(b) the steps taken by Government for regulating such clinical trials;

(c) whether Government have any mechanism to monitor/regulate such medical trials;

(d) if so, the details thereof; and

(e) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. ANBUMANI RAMADOSS) :(a) to (e) Regulations for conducting clinical trial in the country including by multinational companies are prescribed under Rule-122 DA-122-E and Schedule-Y to the Rules. The Rules provide specific application from and relevant document requirements for seeking permission

†Original notice of the question was received in Hindi.